12 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

1. प्रसिद्ध पत्रकार विनोद दुआ का निधन:

मुख्य तथ्य:

हाल ही में, वयोवृद्ध पत्रकार **विनोद दुआ का निधन** हो गया है। वह हिंदी प्रसारण पत्रकारिता के अग्रदूतों में से एक थे, उन्होंने **दूरदर्शन** के साथ **70 के दशक के** मध्य में युवा कार्यक्रम **युवा मंच और** बाद में कई अन्य टेलीविजन समाचार चैनलों के साथ काम किया।

उनकी यात्रा के बारे में:

वह NDTV की यात्रा का भी एक अभिन्न हिस्सा थे। उनके बहुचर्चित फूड शो **'ज़ाइका इंडिया का (Zaika India Ka)'** में उन्हें बेहतरीन स्वाद के लिए पूरे देश में घूमते देखा।

उन्हें डिजिटल मीडिया **प्लेटफॉर्म द वायर** ए इंडियन नॉन-प्रॉफिट न्यूज एंड ओपिनियन वेबसाइट और **एचडब्ल्यू न्यूज** एक डिजिटल न्यूज चैनल के लिए वेब शो में उनके राजनीतिक विश्लेषण के लिए जाना जाता था, जो भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य पर केंद्रित है।

विनोद दुआ द्वारा प्राप्त पुरस्कार:

- श्री दुआ को पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए **विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित** किया गया।
- 1996 में, वे पत्रकारिता पुरस्कार में रामनाथ गोयनका उत्कृष्टता पुरस्कार जीतने वाले **पहले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार** थे।
- उन्हें भारत सरकार द्वारा 2008 में पत्रकारिता के लिए **पद्मश्री से सम्मानित भी** किया गया था।
- जून 2017 में, पत्रकारिता में उनकी आजीवन उपलब्धि के लिए, **मुंबई प्रेस क्लब ने उन्हें रेडइंक पुरस्कार से** सम्मानित किया, जो उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किया गया था।

2. प्रधानमंत्री, 13 दिसंबर 2021 को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर 2021 को **वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर** का उद्घाटन करेंगे।

मुख्य बिन्दु:

यह परियोजना **काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा नदी के तट के बीच** आसानी से पहुंचने योग्य मार्ग बनाने के लिए प्रधान मंत्री का एक लंबे समय से लंबित सपना था।

प्रधान मंत्री ने 8 मार्च, **2019 को परियोजना की आधारशिला** रखी थी।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना के बारे में:

यह **परियोजना 5 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में** शुरू की गई है, जिसमें **40 से अधिक प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार** और सौंदर्यीकरण शामिल है। इस परियोजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए **23 नए भवनों का** निर्माण किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण का भी सन्देश:

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ने भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाया। **कॉरिडोर को रुद्राक्ष, पारिजात, बेल, आंवला और अशोक के पेड़ों से** सजाया गया है। मंदिर परिसर और मंदिर चौक पर पौधरोपण की विशेष व्यवस्था की गई है।

तीन यात्री सुविधा केंद्रों का निर्माण:

इस परियोजना के अंतर्गत **विभिन्न धार्मिक समारोहों के आयोजन** के लिए विभिन्न भवनों का निर्माण किया गया है। विश्वनाथ धाम में तीन यात्री सुविधा केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। इस परियोजना में

लॉकर, पूजा सामग्री बेचने वाली **दुकानों और टिकट काउंटर जैसी सुविधाएं भी** उपलब्ध कराई गई हैं।

काशी विश्वनाथ धाम प्रसाद के बारे में:

इस मौके पर वाराणसी जिला प्रशासन ने शहर के **8 लाख घरों में लड्डू बांटने** का खाका तैयार किया है.

काशी विश्वनाथ मंदिर के बारे में:

यह प्रसिद्ध हिं**दू मंदिर भगवान शिव को** समर्पित है। यह उत्तर प्रदेश में वाराणसी के विश्वनाथ गली में स्थित है। यह **गंगा नदी के पश्चिमी तट पर** स्थित है। यह मंदिर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो शिव मंदिरों में सबसे पवित्र है। इस मंदिर के मुख्य देवता को श्री **विश्वनाथ और विश्वेश्वर जैसे नामों से जाना** जाता है, जिसका अर्थ है ब्रह्मांड के भगवान।

3. फ्लैटबिल फ्लाईकैचर- खोजी गई पक्षियों की नई प्रजातियां:

हाल ही में दक्षिण अमेरिका में **फ़्लैटबिल फ्लाईकैचर्स नामक पक्षी** की एक नई प्रजाति पाई गई है।

मुख्य बिन्दु:

फ्लैटबिल फ्लाईकैचर विशेष रूप से न्यू वर्ल्ड **संघ टायरानिडे जीनस राइनोसायक्लुसिन** के सदस्य हैं।

इस जीनस में चार **ज्ञात प्रजातियां दक्षिणी मेक्सिको में** उत्तर-पूर्वी बोलीविया, ब्राजील और पूर्वी वेनेजुएला में पायी जाती हैं।

जीनस राइनोसायक्लस की चार प्रजातियों के बारे में:

जीनस राइनोसायक्लस में **वर्तमान में चार प्रजातियां** शामिल हैं:

1. ओलिवेसियस फ्लैटबिल (राइनोसायक्लस ओलिवेसियस),
2. आई-रिंगेड फ्लैटबिल (राइनोसायक्लस ब्रेविरोस्ट्रिस),
3. प्रशांत फ्लैटबिल (राइनोसायक्लस पेसिफिकस) और
4. फुल्वस-ब्रेस्टेड फ्लैटबिल (राइनोसायक्लस फुलविपेक्टस)।

क्रिप्टिक फ्लैटबिल के बारे में:

खोजी गई इन नई प्रजातियों को इसकी उल्लेखनीय **रूपात्मक क्रिप्टिक प्रकृति के बाद** क्रिप्टिक फ्लैटबिल (राइनोसायक्लस क्रिप्टस) के रूप में नामित किया गया है, यह अपने **उच्च स्तर के मुखर और आनुवंशिक** भेदभाव के काफी विपरीत प्रकृति की है।

4. 2024 तक भारत के पास नौ परमाणु रिएक्टर होंगे:

मुख्य तथ्य:

- पारंपरिक ऊर्जा के विकल्प की आवश्यकता का ध्यान रखते हुए, भारत के पास **अब 2024 तक 9 परमाणु** रिएक्टर होंगे।
- एक नई परमाणु परियोजना, **उत्तर भारत में पहली, हरियाणा के गोरखपुर में** आएगी जो दिल्ली से 150 किलोमीटर दूर है।
- 2024 तक, भारत में नौ परमाणु रिएक्टर और **12 नए अतिरिक्त रिएक्टर** होंगे, जिन्हें 9000 मेगावाट की सीमा के साथ कोविड के दौरान अधिकृत किया गया था।
- देश की बढ़ती बिजली की मांग के लिए परमाणु ऊर्जा **जल्द ही वैकल्पिक या स्वच्छ ऊर्जा के प्रमुख** स्रोतों में से एक के रूप में दिखाई देगी।
- भारत अपनी अर्थव्यवस्था के उत्सर्जन संकेंद्रण को 2005 के स्तर से 2030 तक एक तिहाई कम करने के लिए पेरिस जलवायु समझौतों को पूरा करने में सहायता करने के लिए अपने परमाणु कार्यक्रम पर विश्वास कर रहा है।

5. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जारी विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2021:

मुख्य तथ्य:

जारी इस रिपोर्ट में, **डब्ल्यूएचओ ने नोट** किया कि 2020 में नोवेल कोरोनावायरस बीमारी के कारण **मलेरिया से निपटने के वैश्विक प्रयासों को नुकसान** हुआ।

रिपोर्ट में आगे चेतावनी दी गई है कि, यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो दुनिया मलेरिया के तत्काल पुनरुत्थान के खतरे को देखेगी, विशेष रूप से अफ्रीका में।

मलेरिया से होने वाली मृत्यु के आंकड़े:

- 2020 में, **अनुमानित 627,000 मलेरिया से** मौतें हुईं। 2019 की तुलना में मौतों की **संख्या में 12% की वृद्धि** हुई है।
- अतिरिक्त 69000 मौतों में से लगभग **47,000 (68%) को COVID-19 महामारी के बीच** मलेरिया निदान, उपचार और रोकथाम के प्रावधान में व्यवधानों से जोड़ा गया था।
- 2020 में 85 मलेरिया-स्थानिक देशों में **241 मिलियन मलेरिया के मामले सामने** आए। यह आंकड़ा 2019 में 227 मिलियन से बढ़ गया है।

- मामलों की संख्या में अधिकांश वृद्धि **WHO अफ्रीकी क्षेत्र के देशों से रिपोर्ट** की गई थी।

डब्ल्यूएचओ अफ्रीकी क्षेत्र में मामले:

- लगभग 95% मामलों में WHO अफ्रीकी क्षेत्र का योगदान है। इसने 2020 में **228 मिलियन मलेरिया** के मामले देखे गए।
- दुनिया भर में मलेरिया के 96 % मामलों के लिए मुख्य रूप से **29 देश जिम्मेदार थे**।
- **छः देशों नामत:** नाइजीरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा, मोज़ाम्बिक, अंगोला और बुर्किना फ़ासो में दुनिया भर में सभी मामलों का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत और डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में मलेरिया के मामलों की संख्या:

डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में **83 प्रतिशत मामलों के लिए भारत** जिम्मेदार है।

लेकिन श्रीलंका को वर्ष 2016 में मलेरिया मुक्त प्रमाणित किया गया था और यह अभी भी मलेरिया मुक्त बना हुआ है।

दुनिया भर में मलेरिया के विरुद्ध प्रगति:

कोविड -19 महामारी से पहले ही मलेरिया के विरुद्ध वैश्विक प्रगति कम हो गई थी। 2015 से, लगभग 24 देशों ने मलेरिया मृत्यु दर में वृद्धि दर्ज की है।

6. सुनील अरोड़ा, पूर्व सीईसी अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र निकाय के सलाहकार बोर्ड में शामिल हुए:

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) **सुनील अरोड़ा हाल ही में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आईडीईए) के सलाहकार** मंडल में शामिल हुए हैं।

मुख्य बिन्दु:

सुनील अरोड़ा का चयन इसलिए किया गया है क्योंकि वे अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के कामकाज में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए **समृद्ध नेतृत्व अनुभव, कौशल और ज्ञान लेकर आये** हैं।

सुनील अरोड़ा, भारत के **23वें मुख्य चुनाव** आयुक्त थे। उनका कार्यकाल 2 दिसंबर, 2018 से 12 अप्रैल, 2021 तक था। वह सितंबर **2017 में चुनाव आयुक्त के रूप** में शामिल हुए थे।

आईडिया के बारे में:

आईडिया **स्टॉकहोम में स्थित** एक अंतर-सरकारी संगठन है।

आईडिया को सलाहकारों के **15-सदस्यीय बोर्ड द्वारा** सहायता प्रदान की जाती है, जो विभिन्न प्रकार की पृष्ठभूमि से प्रख्यात विशेषज्ञ या व्यक्तित्व हैं।

इसका उद्देश्य दुनिया भर में **स्थायी लोकतंत्र का समर्थन** करना है।

वर्तमान में इसके **34 सदस्य देश हैं,** जिनमें दुनिया भर के बड़े, छोटे, पुराने और नए लोकतंत्र शामिल हैं।

भारत आईडिया के संस्थापक सदस्यों में से एक था।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त:

मुख्य चुनाव आयुक्त भारत के **चुनाव आयोग का प्रमुख** होता है, जो भारत में स्वतंत्र और **निष्पक्ष चुनाव कराने** के लिए अधिकृत एक संवैधानिक निकाय है। भारत का सीईसी भारतीय सिविल सेवा का सदस्य होता है और अधिकतर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य होते हैं। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना काफी कठिन है, **क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा के दो-तिहाई लोगों को** उनके आचरण या अनुचित कार्यों के लिए उनके विरुद्ध उपस्थित होने और मतदान करने की आवश्यकता होती है।

भारत के चुनाव आयोग के बारे में:

चुनाव आयोग राष्ट्रीय और राज्य विधानसभाओं के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव आयोजित करता है। चुनाव आयोग को भारत के संविधान के **अनुच्छेद 324 के अंतर्गत चुनाव कराने की शक्ति** मिलती है।

7. भारत ने जलवायु कार्रवाई को सुरक्षित करने के लिए यूएनएससी प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान किया:

हाल ही में, **भारत ने जलवायु परिवर्तन को सुरक्षित करने** के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) समझौते के प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान किया।

मुख्य बिन्दु:

समझौता प्रस्ताव में जलवायु परिवर्तन को **वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से जोड़ा** गया है।

भारत ने घोषणा की कि; यह **कदम हाल ही में ग्लासगो शिखर सम्मेलन में प्रा**प्त की गई आम सहमति को कमजोर करने का प्रयास करता है।

COP26 शिखर सम्मेलन के बाद, लगभग **200 देशों के वार्ताकारों द्वारा नए** जलवायु समझौते को स्वीकार कर लिया गया था, जो जीवाश्म ईंधन को **"चरणबद्ध" करने के बजाय "चरणबद्ध" करने के** लिए भारत के हस्तक्षेप को मान्यता देता है।

समझौता संकल्प के प्रमुख बिंदु:

समझौता प्रस्ताव **नाइजर और आयरलैंड द्वारा** संयुक्त रूप से पारित किया गया था।

ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

इस प्रस्ताव के माध्यम से **संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को** "केंद्रीय घटक के रूप में व्यापक संघर्ष-रोकथाम रणनीतियों में जलवायु संबंधी सुरक्षा जोखिम को एकीकृत करने" के लिए बुलाया गया।

रूस ने इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) क्या है?

UNSC संयुक्त राष्ट्र (UN) के छः प्रमुख अंगों में से एक है। यह अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रित है। यह विधानसभा में संयुक्त राष्ट्र के नए सदस्यों के प्रवेश पर भी सिफारिश करता है। यह आगे **संयुक्त राष्ट्र चार्टर में किसी भी बदलाव को मंजूरी देता** है। यह संयुक्त राष्ट्र का **एकमात्र निकाय है, जिसके** पास सदस्य देशों पर बाध्यकारी प्रस्ताव जारी करने का अधिकार है।

UNSC की प्रमुख शक्तियाँ:

- शांति स्थापना, अभियान स्थापित करना।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लागू करना।
- सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करना।